SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2023-24

worksheet -3

NAME:_____ **SUBJECT: HINDI**

CLASS 6 DIV :_____ **Ls . - 3 संधि**

Prepared By: Suman Yadav **Given Date -**

Prepared date : 11/06/2023

---

* **संधि** - दो निकट वर्णों के परस्पर मेल से जो विकार (परिवर्तन) उत्पन्न होता है, उसे संधि कहते हैं।

* **संधि-विच्छेद -** विच्छेद का अर्थ है- अलग करना। जब किसी संधिस्थ शब्द को अलग-अलग किया जाता है तो उसे संधि-विच्छेद कहते हैं; जैसे- स्वागत = सु + आगत, महर्षि = महा + ऋषि

* संधि के तीन भेद होते हैं-

1. स्वर संधि 2. व्यंजन संधि 3. विसर्ग संधि

1. स्वर संधि - दो स्वरों के मिलने से होने वाले विकार या परिवर्तन को स्वर संधि कहते हैं;

जैसे- पुस्तक + आलय = पुस्तकालय

स्वर संधि के भेद - स्वर संधि के पाँच भेद होते हैं-

1) दीर्घ संधि- जब हस्व अथवा दीर्घ 'अ', 'आ', 'इ', 'ई', 'उ', 'ऊ' के बाद क्रमशः ह्रस्व अथवा दीर्घ'अ', 'आ', इ', 'ई', 'उ', 'ऊ' आए, तो दोनों के मेल से क्रमश: 'आ', 'ई' और 'ऊ' हो जाता है।

जैसे- दीप + अवली = दीपावली , अ + अ = आ

कवि + इंद्र = कवींद्र , इ + इ = ई

(II) गुण संधि- जब 'अ', 'आ' के बाद क्रमशः 'इ', 'ई', 'उ', 'ऊ' और 'ऋ' स्वर आए, तो दोनों के मिलने से क्रमशः 'ए' 'ओ' और 'अर' हो जाता है। जैसे- नर + इंद्र = नरेंद्र , अ + इ = ए

महा + उत्सव = महोत्सव, आ + उ = ओ

(iii) वृद्धि संधि- जब 'अ' या 'आ' के बाद क्रमशः 'ए', 'ऐ' या 'ओ', 'औ' आए, तो दोनों के मेल से क्रमश: 'ए' और 'औ' हो जाता है। जैसे - एक + एक = एकैक , अ + ए = ऐ

महा + औदार्य = महौदार्य , आ + औ = औ

(iv) यण संधि- जब 'इ', 'ई', 'उ', 'ऊ', 'ऋ' के बाद भिन्न स्वर आए, तो दोनों के मेल से क्रमश: 'य', 'व', 'र' हो जाता है। जैसे- अति + अधिक = अत्यधिक , इ + अ = य

सु + आगत = स्वागत, उ + आ = वा

(v) अवादि संधि- यदि 'ए-ऐ', 'ओ-औ' स्वरों का मेल दूसरे स्वरों से हो, तो दोनों के मेल से क्रमश: अय्, आय् , अति ,अव् , आव् हो जाता है। जैसे - ने + अन = नयन , ए + अ = अय्

पौ + अन = पवन , ओ +अ = अव्

2. व्यंजन संधि - व्यंजन के बाद स्वर या व्यंजन के आने से जो परिवर्तन होता है, उसे व्यंजन संधि कहते हैं; जैसे- वाक् + ईश = वागीश, क् + ई = गी

सत् + जन = सज्जन , त् + ज = ज्ज

3. विसर्ग संधि- किसी भी शब्द के अंत में लगे विसर्ग के बाद स्वर या व्यंजन आने पर विसर्ग में परिवर्तन होता है. जैसे - निः+ ठुर = निष्ठुर

निः + आशा = निराशा

1 . निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए-

धर्म + अर्थ- _____ भोजन + आलय -_____

सुर + इंद्र - _____ निः + चय - _____

2 . निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए-

दीपावली - _____ गिरीश- _____

नरेश - _____ महोत्सव - _____

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

(क) संधि किसे कहते हैं ?

उत्तर----------

(ख) संधि के कितने भेद होते हैं? उनके नाम लिखिए।

उत्तर----------

SUB.TEACHER HOD CO ORDINATOR PRINCIPAL